जोधपुर इंटक यूनियनों की राजस्थान सरकार से

संयुक्त अपील

आज इस मंहगाई के युग में जहां मजदूरों का जीवन संकटमय हो गया है। मंहगाई प्रति दिन सुरसा के मुंह की भांति अपना विस्तार करती जा रही है, राजस्थान सरकार ने दो सालों से एक पैसा भी नहीं बढ़ाया है। १९६५ में भारत के सभी प्रान्तों ने मंहगाई में काफी बढोतरी की थी। १९६६ में हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब तथा सैन्ट्रल ने काफी मंहगाई बढ़ादी है। लेकिन राजस्थान ने पुन: मंहगाई बढाये जाने के सम्बन्ध में अपने निकम्मेपन का परिचय दिया है।

दिनांक ८ मार्च १९६६ से राजस्थान बिजली विभाग के मजदूरों ने मंहगाई, बोनस तथा राज बीमा योजना को रद्द करवाने के लिये भूख हड़ताल कर रखी है जिसे आज १५वां दिन चल रहा है। आज समस्त यूनियनों के सामने एक प्रश्न है वह यह कि क्या भूख हडताल द्वारा प्राप्त मांगों का फायदा हमें न मिलेगा ? क्या हमारी और उनकी आर्थिक व सामाजिक समस्यायें एक नहीं हैं। आज वह समय आ गया है जबकि सभी वर्ग के मजदूरों को मंहगाई से मुकाबला करने के लिये एक हो जाना चाहिये चाहे वह किसी भी संघ तथा यूनियनों का अनुयायी क्यों न हो। प्रान्तीय बिजली कर्मचारी फेडरेशन भी उपरोक्त मांगों को प्राप्त करने के लिये काफी प्रयत्न करता आ रहा है और करता रहेगा। ऐसा मेरा दृढ़ विश्वास है।

हम इन्टक के पूर्ण अनुयायी हैं दोनों की मांगें लगभग एक ही हैं। इसी नाते जोधपुर यूनियनों की तथा संघ की राजस्थान सरकार से अपील है कि जो हमारे भाई भूख हड़ताल कर अपने और हमारे आर्थिक ढांचे को मजबूत करने के लिये मौत की गोद में बैठे हुए हैं उन्हें उनकी मांगों को पूर्ण कर मृत्यु के मुंह में जाने से बचाया जाय। इन्टक यूनियनों की भूख हड़तालियों के प्रति पूर्ण सहानुभूति है और राजस्थान सरकार से पूर्ण आशा करता है कि अगर राजस्थान सरकार राजस्थान में इन्टक को जिन्दा रखना चाहती है तो मजदूरों की उपरोक्त मांगों को शीघ्र पूरा किया जाय अन्यथा राजस्थान से इन्टक का अस्तित्व खतरे में पड़ जायगा।

विनीत,

श्यामलाल शर्मा

दिनांक २२-३-६६

मन्त्री

राष्ट्रीय बिजली कर्मचारी संघ, जोधपुर

अन्डर ग्रोन्ड वाटर बोर्ड कर्मचारी यूनियन, जोधपुर।

राष्ट्रीय वायुसेना चतुर्थ श्रेणी (सिविलियन) कर्मचारी संघ, जोधपुर

राष्ट्रीय बिजली कर्मचारी संघ, जोधपुर।

नेशनल प्रिन्टर्स, जोधपुर।

TEXTILE LABOUR UNION

टेक्सटाइल लेबर यूनियन, ब्यावर (राज०)

(Affiliated : A. I. T. U. C.)

PRESIDENT :
Swami Kumaranand M.L.A.

GENERAL SECRETARY :
Keshrimal
Municipal Counsiler.

BEAWAR (Raj.)

Dated 2-4 1966

1560 7/4/66

श्रीमान फैक्ट्री मैनेजर साहब,
दी महालक्ष्मी मिल्स कं० लि०, ब्यावर

विषय: टेम्परेरी श्रमिकों की जगह पर नाजायज तरीके से नये आदमियों को अड़ाना व बदली लिस्ट के अनुसार बदलियां नहीं देकर नये आदमियों को बदलियों में रखकर बदली नियमों का उल्लंघन करने हेतु :

प्रिय महाशय,

हमारे पास ऐसी शिकायत आई है कि आपने आज दिन १-४-६६ को मिल चालू होने पर इंटक के कहने से २९ मार्च को हड़ताल में रहने वाले खाली जगहों पर वर्षों से काम कर रहे टेम्परेरी लोगों की जगहों पर अनुचित ढंग से आदमियों को लाकर अड़ा रखा है और बदली लिस्ट के अनुसार बदलियें भी नहीं देकर नये आदमियों को बदलियों में लिया है। अड़ाये गये नये आदमियों को ११ बजे अंदर लाकर रखा गया है। बदली नियमों का उल्लंघन किया है।

पुराने सीनीयर श्रमिक जो वर्षों से खाली जगहों पर कार्य कर रहे हैं आज भी अपनी अपनी जगहों पर अपना कार्य हमेशा की तरह कर रहे हैं। मगर बावजूद उनके काम करने के उन श्रमिकों की हाजिरी नहीं भरी जा रही है यह सिर्फ राजनैतिक चाल है और उन श्रमिकों को नौकरी से बेकार करने की आपकी व इंटक की मिली जुली योजना है इस प्रकार का कार्य आपका बदली नियमों को भंग करने व गैर कानूनी है।

अतः उपरोक्त प्रकार से जिन श्रमिकों की रोजी के साथ में खिलवाड़ करने की जो नीति आपने अपनाई है उसे बदलें कर सभी अड़ाये गये नये आदमियों को हटावें और पुराने श्रमिकों को अपनी अपनी जगहों पर शान्ति पूर्वक कार्य करने दें और उनकी हाजिरी भराने की आज्ञा दें। अन्यथा हमें आपके इस प्रकार के कार्यों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करनी पड़ेगी और इस प्रकार के कार्यों से जो भी स्थिति बनेगी उसकी समस्त जिम्मेवारी आपकी होगी। कृपया सूचित रहें।

धन्यवाद

आपका

दिन १६
रात ३३
५०

प्रतिलिपि वास्ते आवश्यक कार्यवाही हेतु

१- श्रीमान् लेबर इंन्सपेक्टर साहब, ब्यावर
२- श्रीमान् एस० एच० ओ० साहब, पुलिस थाना ब्यावर
३- श्रीमान एस० डी० एम० साहब, ब्यावर

४- श्रीमान् लेबर आफिसर साहब, अजमेर
५- श्रीमान् एस० पी० साहब, पुलिस थाना अजमेर
६- श्रीमान् कलेक्टर महोदय, अजमेर
७- श्रीमान् लेबर कमिश्नर साहब, जयपुर
८- श्रीमान् लेबर मिनिस्टर साहब, जयपुर
९- श्रीमान मुख्य मंत्रीजी राजस्थान सरकार, जयपुर
१०- श्रीमान् सेक्रेटरी साहब आर० एस० टी० यू० सी० कम्प जयपुर
११- माननीय मुख्य मंत्रीजी भारत सरकार, नई दिल्ली
१२- श्रीमान् लेबर मिनिस्टर साहब, नई दिल्ली
१३- श्रीमान् सेक्रेटरी ए० आई० टी० यू० सी० नई दिल्ली
१४- श्रीमान् का भूपेश गुप्ता एम० पी० नई दिल्ली

टेक्सटाइल लेबर यूनियन, ब्यावर (राज०)

A.I.T.U.C
२४५/६६

श्रीमान् फैक्ट्री मैनेजर साहब   2-6-1966

दी कृष्णा मिल्स लिमिटेड, ब्यावर

विषयः टेम्परेरी श्रमिकों की जगह पर नये बदली वालों को अनुचित तरीके से रखकर बदली नियमों का उल्लंघन करने बाबत

प्रिय महोदय,

हमारे पास शिकायत आई है कि आपने आज दिन १-६-६६ को मिल चालू होने पर इंटक वालों के कहने से २९ मार्च को हड़ताल में रहने वाले वर्षों से करते खाली जगहों पर टेम्परेरी लोगों की जगहों पर अनुचित ढंग से नये आदमियों को लाकर खड़ा रखा है। हटाने वाले नये आदमियों को दस बजे अंदर लाकर रखा गया है।

पुराने टेम्परेरी श्रमिक जो वर्षों से खाली जगहों पर कार्य करते आ रहे हैं आज भी अपनी अपनी जगहों पर अपना कार्य हमेशा की तरह कर रहे हैं। मगर बावजूद उनके काम करने के उन श्रमिकों की हाजिरी नहीं भरी जा रही है यह सिर्फ राजनैतिक चाल व उन श्रमिकों को काम से बेकार करने की आपकी व इंटक की मिली जुली योजना है। इस प्रकार का कार्य ~~[illegible]~~ गैर कानूनी है। आपने बदली नियमों के एग्रीमेंट को भंग किया है।

अतः उपरोक्त प्रकार से जिन श्रमिकों की रोजी के साथ में खिलवाड़ करने की जो निति आपने अपनाई है उसे बदलकर अभी अंडरपमेण्ट आदमियों को हटावें और पुराने श्रमिकों को अपनी अपनी जगहों पर शान्ति पूर्वक कार्य करने दें। और उनकी हाजिरी भराने की आज्ञा दें। ~~[illegible]~~ अन्यथा हमें आपके इस प्रकार के कार्यों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही करनी पड़ेगी और इस प्रकार के कार्यों से जो भी स्थिति बनेगी उसकी समस्त जिम्मेवारी आपकी होगी। कृपया सूचित रहें।

धन्यवाद

नोट- [illegible] को दिये गये पत्र के [illegible] के बाद बदली श्रमिकों की लिस्ट नहीं है [illegible] वाले बदली श्रमिकों की संख्या 32 है [illegible]

दिन 22- रात 10

आपका

[signature]

प्रधानमंत्री

टेक्सटाइल लेबर यूनियन, ब्यावर (राज०)

प्रतिलिपि आवश्यक कार्यवाही हेतु

१- श्रीमान् लेबर इन्सपेक्टर साहब, ब्यावर

२- श्रीमान् एस०एच०ओ० पुलिस थाना ब्यावर

३- श्रीमान् एस०डी०एम० साहब, ब्यावर

४- श्रीमान् लेबर आफिसर साहब, अजमेर
५ - श्रीमान् एस० पी० साहब, अजमेर
६- श्रीमान् कलक्टर साहब, अजमेर
७- श्रीमान् लेबर कमिश्नर साहब, ब्यावर
८- श्रीमान् लेबर मिनिस्टर साहब, जयपुर
९- श्रीमान् मुख्य मंत्रीजी राजस्थान सरकार, जयपुर
१०-श्रीमान् सेक्रेटरी आर० एम० टी० यू० सी० कैम्प जयपुर
११-श्रीमान् सेन्ट्रल लेबर मिनिस्टर साहब नई दिल्ली
१२- माननीय प्रधान मंत्रीजी ,नई दिल्ली
१३- श्रीमान् सेक्रेटरी ए० आई० टी० यू० सी० नई दिल्ली
१४- का० भूपेश गुप्ता, एम० पी० नई दिल्ली

Cable: "AITUCONG" Telephones: 57787 & 54740

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन काँग्रेस
ALL-INDIA TRADE UNION CONGRESS

5-E, Jhandewalan, Rani Jhansi Road, New Delhi — 1

President: S. S. MIRAJKAR
General Secretary: S. A. DANGE

7 April 1966

IMMEDIATE

151

Dear Comrade,

The recent struggle of Electricity workers in Rajasthan with the 22 days Hunger Strike of the president of the Federation , Com. Krishna Kant and later of 14 days hunger strike by Com. H.K. Vyas is just over. According to the agreement with the Chief Minister of Rajasthan the following two issues have to be decided in accordance weth the practice followed in Electricity Undertakings in other States: i) Payment of Bonus according to Bonus Act & ~~XXXXX~~ ii) exemption from the operation of E.S.I. Scheme as existing facilities without any deduction from the workers are better. The Government of Rajasthan is trying to find out the position from various States. In order that they are not able to mislead and in order to strengthen the case of the workers with factual information. You are kindly requested to send immediately whatever be the present position in this respect on the following address with a copy to us.

The General Secretary,
Rajasthan State Committee of AITUC,
Station Road, Near Sindhi Camp,
JAIPUR, (Rajasthan)

Please also let us know if your Electricity Board has gone in for Writ Petition or intervention in the case before the Supreme Court challenging the validity of Bonus Act.

The Electricity Board of Rajasthan has gone in a Writ Petition before the High Court challenging :

i) applicability of the Bonus Act to Electricity undertakings; and
ii) its applicability with the retrospective effect i.e. payment of Bonus for the year 1963-64 according to Bonus Act.

If the Electricity workers in your State are exempted

Cont....

अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस
ALL-INDIA TRADE UNION CONGRESS
5-E, Jhandewalan, Rani Jhansi Road, New Delhi — 1

President : S. S. MIRAJKAR
General Secretary : S. A. DANGE

from the E.S.I. Scheme it will be necessary to send existing facilities enjoyed by the workers.

The Chief Minister of Rajasthan has agreed in a communication to us that these x issues will be discussed and decided in a tripartite Standing Committee meeting to be held on 13th April at Jaipur.

You are, therefore, requested to immediately furnish the information to Jaipur on the address given above with a copy to us. If necessary the information may be supplemented subsequently.

Please treat this as most urgent.

With greetings,

Yours fraternally,

(K.G.Sriwastava)
Secretary

Received 5528 28/11/66
Replied

29

ऐरिड जोन एम्पलाईज यूनियन, जोधपुर

की ओर से

रविवार ता॰ 27-11-66 को शाम के 5 बजे गोटा फैक्ट्री के सामने मजदूरों की आम सभा

अधिक तादाद में एकत्रित होकर अपने संगठन को मजबूत बनाओ

मजदूर साथियो,

पिछले काफी सालो से जोधपुर में सेंट्रल ऐरिड जोन विभाग भारत सरकार के कृषि मंत्रालय के अधीन कार्य कर रहा है जहां सैकड़ो मजदूर, कर्मचारी और हुनरबंद कारीगर कामकर रहे हैं। इन कर्मचारियो को न तो किसी प्रकार का कोई कानून लागू कर उन्हे श्रमिक कानूनों के अनुसार सुविधायें दी जा रही है और न ही केन्द्रीय कर्मचारियो को जिन कानूनो के अन्तर्गत शामिल किया जाता है लागू किया जाता है। यहां तक कि मजदूरो को साप्ताहिक सवेतनिक छुट्टी तक नहीं जाती। दूसरी सुविधाओं के लिये तो सोचना ही बेकार है। यहां तक कि 26 जनवरी, 15 अगस्त, 2 अक्तूबर तथा कैजुअल व हकदारी की छुटियां तक नहीं दी जाती। बनिये की दुकान पर जो कर्मचारी काम करते है या ठेकेदार के पास जो मजदूर काम करते है उनसे भी गिरी हालत यहां बनाई हुई है। जो तनख्वाहे दी जाती है वे इतनी कम और नाकाफी है कि एक मजदूर अपने परिवार का भरण पोषण तक नही कर सकता। अपने बाल बच्चो की पढाई लिखाई या बिमारी में दवा दारू का तो सवाल ही पैदा नही होता। नौकरी की कोई गारंटी नही और चाहे जब निकाल दिया जाता है।

इन तमाम हालतो में रद्दो बदल लाने के लिये इस विभाग में काम करने वाले मजदूरो के संगठन - ऐरिड जोन एम्पलाईज यूनियन का निर्माण किया गया है ताकि यहां के मजदूर भी संगठित होकर अपने हक हासिल कर सके और एक इंसान की तरह जिन्दा रह सके, उन्हे जीने लायक तनख्वाह मिले और एक सभ्य नागरिक की भांति रह सके। आज कूलू घाटी, खड़गपुर व दिल्ली प्रशासन के नीचे काम करने वाले मजदूर जो इसी तरह का एग्रीकलचर का व हॉरटीकलचर का कार्य करते हैं मिनिमम वेजेज और दूसरे कानूनो के अन्तर्गत मिलने वाली सहुलियतें पा रहे है तब यही सरकार जो समाजवादी शासन स्थापित करने की लंबी चौड़ी बाते करती है वही अपने खुद के नाक के नीचे मजदूरो को उनके वाजिब हको से महरूम रखने में अपनी शान समझती है।

ऐरिड जोन के मजदूरो की हालत को सुधारने के वास्ते और उनके संगठन को मजबूत बनाकर न्यायोचित मांगो को हासिल करने के लिये यूनियन की ओर से रविवार ता 27-11-66 को शाम के 5 बजे गोटा फैक्ट्री के पास आम सभा का आयोजन किया गया है जिससे सब बातो पर तफसील से प्रकाश डाला जायगा। सभी मजदूर साथियो से अपील है कि वे बड़ी तादाद में एकत्रित होकर मीटिंग को सफल बनाये।

मजदूर एकता जिन्दाबाद

फतहसिंह
सेक्रेटरी,
ऐरिड जोन एम्पलाईज यूनियन,
जोधपुर